

सांसे हो रही हैं कम, आओ पेड़ लगायें हम

शाश्वत कृषि और वानिकी तंत्र अपनाए।
बेहतर तथा समृद्ध भविष्य पाए।

अनोखी विपणन प्रणाली: कंपनी की हरितगृहों से पौधे सीधे आपके खेत पर पहुँचाए जाते हैं।
कोई अतिरिक्त परिवहन शुल्क नहीं लिया जाता।



(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

www.kaushalkisangroup.com





(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

मौसंबी की खेती

मौसंबी की खेती नींबू वर्गीय महत्वपूर्ण फसल है। मौसंबी की बागवानी भारत देश में मुख्य रूप से महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर की जाती है, इसके आलावा इसकी खेती आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश आदि राज्यों में भी मौसंबी की खेती का क्षेत्र दिन प्रति दिन बढ़ रहा है। किसान भाई मौसंबी की खेती से अच्छा मुनाफा ले सकते हैं, क्योंकि जिस तरह इसकी मांग भारतीय बाजार में बढ़ रही है। उससे तो ऐसा ही प्रतीत होता है।

लेकिन उसके लिए किसान भाइयों को यह जानना की मौसंबी की खेती कैसे करें, इसके लिए उपयुक्त जलवायु, किस्में, रोग रोकथाम, पैदावार आदि आवश्यक है, यहां हम किसान भाइयों को इन जानकारियों से अवगत करेंगे। जिससे की वे मौसंबी की खेती से अच्छी उत्तम पैदावार प्राप्त कर सकें।





(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

जलवायु

मौसंबी की खेती के लिए समप्रमाण सर्दी और गर्मी अनुकूल है। जहा पर जल वायु सूखा हो या बारिश ज्यादा नहीं होती हो ऐसे क्षेत्रों में मौसंबी की फसल अच्छी तरह से होती है। ज्यादा नमी वाले जलवायु में व जहां ज्यादा बारिश होती हो ऐसे क्षेत्रों में रोग और किट की वजह से इसकी उचित पैदावर नही मिलती है।

भूमि या मृदा

मौसंबी की खेती के लिए अच्छे जल निकास वाली उपजाऊ तथा मिट्टी की गहराई लगभग 1.5 से 2 मीटर अवश्य होनी चाहिए। मिट्टी की कड़ी परत या चट्टान तल से पाँच फुट की गहराई तक नहीं होनी चाहिए। मिट्टी का पीएच मान 5.5 से 7.5 की बीच उचित माना जाता है।





(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

प्रसिद्ध किस्में

न्यूसेलर- यह रोगमुक्त, दिर्घायु अधिक उत्पादन देने वाली किस्म है, इसका फल आकार में बड़ा 200 ग्राम तक भरपूर रसदार फिकी पिली चिकनी चमकदार छाल, स्वाद में मिठा फल में 10 से 20 बिज होते हैं। यह रोग बिमारीयों के प्रति सहनशील उत्पादन में अन्य किस्मों से अधिक पैदावार देता है।



सतगुडी- फल मध्यम आकार का होता है, फल गोल भरपूर रसदार और फल में 15 से 20 बिज होते हैं, इसकी खेती आंध्रप्रदेश, कर्नाटका, महाराष्ट्र में अधिक की जाती है।

वाशींगटन नॅव्हेल- इसकी छाल मोटी होती है, फल में बिजों की संख्या कम होती है, इसका उत्पादन कर्नाटका, आंध्रप्रदेश में अधिक किया जाता है।



www.kaushalkisangroup.com



(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

खेती कि तैयारी

इसकी खेती के लिए ग्रीष्म काल में 6 x 6 मीटर गड्ढे से गड्ढे की दूरी और 1.5 x 1.5 x 1.5 फिट के गड्ढे खोद लेने चाहिए तथा उन्हें 15 दिन से 1 माह तक वैसे ही छोड़ देना चाहिए, जिससे धूप से हानिकारक किट मर जाए। उसके पश्चात प्रत्येक गड्ढे के निचे के भाग में मिट्टी और उपर के भाग में 25 से 35 किलोग्राम गोबर की खाद 1 किलो सुपर फास्फेट 100 ग्राम दीमक किटनाशक के मिश्रण से गड्ढे भर देना चाहिए। पौधे लगाते समय पौधे की आख जमीन से 2 से 3 इंच उपर रहे इस बात का ध्यान रहे मौसंबी वर्ष भर कभी भी लगाई जा सकती है।

खाद और उर्वरक

मौसंबी यह बहुवर्षीय बागवानी फसल है। अच्छी उपज लेने के लिए मौसंबी के पौधे को प्रथम वर्ष 10 किलो गोबर कि खाद, 1 किलो निम कि खाद, नाइट्रोजन 100 ग्राम, फास्फोरस 150 ग्राम, पोटैश 150 ग्राम देना चाहिए। इसी प्रकार 5 वर्ष तक इसको दोगुना करते रहें।





(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

सिंचाई व निदाई गुडाई

सिंचाई- मौसंबी की खेती लगाने के बाद पौधे को स्थिर होने के लिए 2 महिने लगते है। पौधो को लगाने के बाद नियमीत पानी देना चाहिए। मौसंबी की खेती में हो सके तो ड्रिप सिंचाई का उपयोग करना चाहिए, पौधो को सर्दी के मौसम मे 10 से 15 दिन और ग्रीष्म मे 5से 10 दिन मे हल्की सिंचाई करते रहना चाहिए। खेत मे बरसात का पानी का रुकाव ना हो इसका ध्यान रखना चाहिए।

खरपतवार- मौसंबी के बाग को खरपतवार मुक्त रखना चाहिए, इसके लिए पौधों के आसपास एक मीटर तक खुदाई भी करनी चाहिए।

पौधो को आकार देना- मौसंबी को छतरी का आकार देना चाहिए। जिसके लिए तने के 2.5 फिट से 4 से 6 टहनिया रखनी चाहिए प्रथम वर्ष पौधो को लकडी की सहायता से सहारा भी देना चाहिए।

www.kaushalkisangroup.com





(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

कमाई

मोसम्बी के पौधे रोपण के 3 साल बाद फूलना शुरू करते हैं। आपको अगले वर्ष के लिए बेहतर और कड़े फलने के लिए इस फूल को निकालना चाहिए। आप रोपण के 4 वें वर्ष से उपज प्राप्त करना शुरू कर सकते हैं।

रोपण के 3 वें वर्ष के बाद ही आप व्यावसायिक उपज की उम्मीद कर सकते हैं। प्रारंभिक वर्षों के दौरान आप 60 किग्रा / पौधा या 5 टन / एकड़ प्राप्त कर सकते हैं। 5 वें वर्ष के बाद, उपज बढ़कर 100 किलोग्राम / पौधा या 9 टन / एकड़ हो जाती है। आप 10-वर्षीय वृक्षारोपण में चोटी (अधिकतम) पैदावार की उम्मीद कर सकते हैं। मोसम्बी का आर्थिक जीवनकाल लगभग 20 वर्ष है।





(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

कोशल किसान ग्रुप ऑफ़ कम्पनी द्वारा किसानों को मुफ्त में दी जाने वाली सेवाएं :-

- पौधों को किसानों के घर या खेत तक पहुंचाने के लिए मुफ्त वाहन सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है।
- क्षतिग्रस्त पौधों की प्रतिस्थापना। यह सुविधा सिर्फ एक बार के प्रतिस्थापन के लिए होती है।
- २ साल तक कंपनी के कर्मचारियों द्वारा समय समय पर देखभाल की सुविधा दी जाती है।
- किसी भी सुझाव या शिकायत के लिए हमारे प्रतिनिधियों से मुफ्त तकनीकी सेवा फ़ोन द्वारा या ब्यक्तिगत रूप में ले सकते हैं
- किसी भी सुझाव या शिकायत के लिए कम्पनी का टोल फ़्री नंबर उपलब्ध है -18001236246





(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

Corp. Office : H.No. 265, Opp.Tejaji Ka Mandir,

Khedli Phatak, Kota Raj. - 324001 | Ph.: 0744 2323168

Branch Office : Plot.No. 194, R K Business Centre, Near, Shivaji Nagar, Nagpur, Maharashtra - 440010

Branch Office : Malaviya Chowk, Wing - B, 7th Floor, Office No. 5, Gondal Road, Rajkot (GUG)

Branch Office : Near Agarwal Dharamshala, Sec. 11, Hiran Mangri, Udaipur Rajasthan - 313001

Toll Free No. 18001236246 | Website : www.kaushalkisan.com | www.navjeevanbio.com